

**फर्द अहकाम**  
**कार्यालय जिला मजिस्ट्रेट राजसमन्द, जिला राजसमन्द**

एयू स्माल फायनेंस बैंक लिमिटेड (जो पूर्व में एयू फायनेंसियर्स इण्डिया लिमिटेड के नाम से जाना जाता था), पंजीकृत कार्यालय 19-ए, धुलेश्वर गार्डन, अजमेर रोड, जयपुर-302001 (राज.) में स्थित होकर कार्यरत है, जरिये प्राधिकृत अधिकारी श्री विरेन्द्र पाराशर, एयू स्माल फायनेंस बैंक लिमिटेड राजसमन्द।  
—प्रार्थी

**बनाम**

1. श्री शंकरलाल सालवी पिता श्री मांगीलाल जी, जाति सालवी निवासी 1011, अस्थल के पास, ग्राम केलवा, तहसील व जिला राजसमंद (राज.) —ऋणी
2. श्री बाबुलाल पिता श्री मांगीलाल जी, जाति सालवी सालवी निवासी 1011, अस्थल के पास, ग्राम केलवा, तहसील व जिला राजसमंद (राज.)
3. श्री संतोष बाई पत्नी श्री मांगीलाल जी, जाति सालवी निवासी 1011, अस्थल के पास, ग्राम केलवा, तहसील व जिला राजसमंद (राज.) —सहऋणी
4. श्री मांगीलाल पिता श्री माला लाल जी जाति बलाई (सालवी), निवासी 1011, अस्थल के पास, ग्राम केलवा, तहसील व जिला राजसमंद (राज.)  
बंधक सम्पति :-  
मांगीलाल बलाई (सालवी)  
आराजी नं. 1437, मिसल नं. 121/2010, संकल्प नं. 2 रसीद नं. 5436,  
पट्टा नं. 3448, ग्राम केलवा तहसील व जिला राजसमंद (राज.)  
—सहऋणी एवं बंधककर्ता
5. श्री प्रकाश सालवी पिता श्री शंभूलाल जी, जाति सालवी, निवासी ग्राम केलवा तहसील व जिला राजसमंद (राज.)  
—जमानती  
— विपक्षीगण

किस्म मुकदमा— प्रार्थना पत्र सरफेसी एक्ट

पत्रावली संख्या 39/2020

क्रमांक	कार्यवाहिक विवरण	हस्ताक्षर पाटी तथा सूचनाएं जारी की गईं
	<p><b>दिनांक 24.11.2020</b></p> <p>प्रार्थी के अधिवक्ता उपस्थित। प्रार्थी एयू स्माल फायनेंस बैंक लिमिटेड राजसमन्द ने दिनांक: 22.10.2020 को इस न्यायालय में धारा 14 अन्तर्गत वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के तहत प्रस्तुत किया हैं जिसे दर्ज रजिस्टर किया गया।</p> <p>प्रार्थी बैंक को भारत के राजपत्र मे दिनांक 01.11.2017 को प्रकाशित अधिसूचना के अनुसार दिनांक 18.09.2017 को भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 की धारा 42 की उपधारा (6) के खण्ड (क) के अनुसरण मे भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा दूसरी अनुसूची मे बैंक के रूप मे शामिल किया गया। इसे पूर्व में एयू फायनेंसियर्स लिमिटेड के रूप में जाना जाता था।</p> <p>विपक्षी संख्या 1,2,3 एवं 4 ने प्रार्थी बैंक से दिनांक 07/07/2016 को</p>	



87

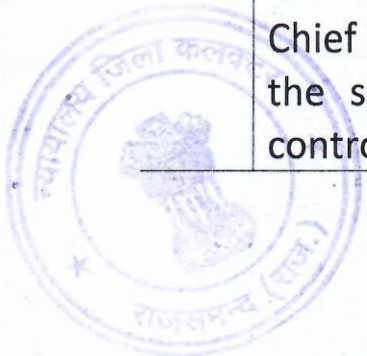
3,00,000/- अक्षरे तीन लाख रुपए का ऋण प्राप्त किया था एवं विपक्षी संख्या 5 ने उक्त ऋण की जमानत दी थी। विपक्षी संख्या 4 ने उक्त ऋण मय ब्याज के पुनः भुगतान हेतु सिक्क्योरिटी के रूप में निम्न अचल सम्पत्ति प्रार्थी बैंक के पक्ष में रहन किया और उस पर निर्मित भगवन एवं ढांचा आदि को भी प्रार्थी के पक्ष में गिरवीकृत किया जिसका विवरण निम्न प्रकार है :-  
बंधक सम्पत्ति का विवरण :- श्री मांगीलाल बलाई (सालवी) आराजी नम्बर 3448, ग्राम केलवा तहसील व जिला राजसमंद (राज.) में स्थित सम्पत्ति, जिसमें भवन, भूमि एवं ढांचा आदि है, जो सभी सम्पत्ति के अभिन्न अंग है, जिसका नाम 1432.00 वर्गफीट है, जिसकी चतुर्सीमा पडौस निम्न प्रकार है कि :- पूर्व :- श्री मूलाराम/भोलीराम का मकान, पश्चिम :- कालू, गोकुल, शंभुलाल एवं परथा का मकान एवं रास्ता, उत्तर :- आम रास्ता, दक्षिण : गोकुल एवं कालू का मकान। विपक्षीगण ने नियमित रूप से प्रार्थी वित्तीय संस्था में उक्त ऋण का भुगतान नहीं कर सके और भुगतान में व्यतिक्रम व अतिदेय होने पर प्रार्थी बैंक द्वारा विपक्षीगण का खाता दिनांक 10/01/2020 को अक्रियान्वित आस्ति में वर्गीकृत कर दिया। दिनांक 11/02/2020 को विपक्षीगण के खाते में बकाया राशि 3,03,830/- अक्षरे तीन लाख तीन हजार आठ सौ तीस रुपए शेष व देय निकलते है। दिनांक 11/02/2020 से आगे का ब्याज व खर्चे आदि सहित राशि का भुगतान करने के लिए विपक्षीगण जिम्मेदार है। प्रार्थी बैंक ने उक्त एक्ट की धारा 13 (2) के अंतर्गत दिनांक 11/02/2020 का टंकित नोटिस दिनांक 14/02/2020 को विपक्षीगण को प्रेषित किया, जिसकी प्राप्त के बाद भी उक्त देय राशि का भुगतान प्रार्थी को नहीं किया गया है। विपक्षीगण ने देय राशि का भुगतान बावजू मांग के भी प्रार्थी बैंक को नहीं किया गया। उक्त एक्ट के प्रावधानों के अनुसार प्रार्थी कॉलम संख्या 3 में वर्णित सिक्क्योरिटी रहनशुदा सम्पत्ति का का कब्जा प्राप्त करने व विक्रय कर उक्त शेष देय राशि को वसूल करने का अधिकारी है।

वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 की धारा 12 के अनुसार धारा 14 में जो संशोधन हुआ, वो निम्न प्रकार से है :-

Inserted by Act 44 of 2016, Section 12(i) (w.e.f. 1-9-2016)

Provided further that on receipt of affidavit from the Authorised Officer, the District Magistrate or the Chief Metropolitan Magistrate, as the case may be, shall after satisfying the contents of affidavit pass suitable orders for the purpose of taking possession of the secured assets [within a period of thirty days from the date of application]

[Provided further that if no order is passed by the Chief Metropolitan Magistrate or District Magistrate within the said period of thirty days for reasons beyond his control, he may, after recording reasons in writing for the



same, pass the order within such further period but not exceeding in aggregate sixty days.]

प्रकरण में प्रार्थी बैंक/वित्तीय संस्था द्वारा ऋणी तथा गारण्टर को धारा 13(2) वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के नोटिस दिनांक: 11.02.2020 को जारी किया गया था। अखबार में दिनांक: 09.06.2020 को नोटिस का प्रकाशन करवाया गया। जिसकी प्रति पेश की गयी। आवेदक बैंक/वित्तीय संस्था द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना पत्र एवं अभिलेख व आवेदक के शपथ-पत्र पर विचार करने के उपरान्त हम धारा 14 अन्तर्गत वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 में प्रदत्त की गयी शक्तियों के तहत प्रार्थी द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना पत्र को स्वीकार किया जाना उचित समझते हैं।

प्रार्थी एयू स्माल फायनेन्स बैंक लिमिटेड जयपुर द्वारा प्रस्तुत दावे अनुसार बंधक सम्पत्ति का विवरण :- श्री मांगीलाल बलाई (सालवी) आराजी नम्बर 3448, ग्राम केलवा तहसील व जिला राजसमंद (राज.) में स्थित सम्पत्ति, जिसमें भवन, भूमि एवं ढांचा आदि है, जो सभी सम्पत्ति के अभिन्न अंग है, जिसका नाम 1432.00 वर्गफीट है, जिसकी चतुर्सीमा पडौस निम्न प्रकार है कि :- पूर्व :- श्री मूलाराम/भोलीराम का मकान, पश्चिम :- कालू, गोकुल, शंभुलाल एवं परथा का मकान एवं रास्ता, उत्तर :- आम रास्ता, दक्षिण : गोकुल एवं कालू का मकान।

उपरोक्त सम्पत्ति किसी अन्य को स्थानान्तरण नहीं की हो, किसी न्यायालय का कोई आदेश/स्थगन प्रभावी नहीं होने पर उक्त सम्पत्ति का भौतिक रूप से कब्जा प्रार्थी एयू स्माल फायनेन्स बैंक लिमिटेड, राजसमन्द के अधिकृत प्रतिनिधि को जरिये पुलिस मदद के दिलवाये जाने के आदेश दिए जाते हैं। इस आदेश की पालना हेतु प्रति जिला पुलिस अधीक्षक, राजसमंद को प्रेषित की जाकर प्रार्थी एयू स्माल फायनेन्स बैंक लिमिटेड, राजसमन्द को नियमानुसार पुलिस जाब्ता राशि जमा होने पर पर्याप्त पुलिस जाब्ता उपलब्ध कराया जावे।

पत्रावली फ़ैसल शुमार होकर दर्ज रजिस्टर नं0 से कम की जाकर दाखिल दफ़तर हो।

(अरविन्द कुमार पोसवाल)  
जिला मजिस्ट्रेट  
राजसमन्द

